RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अप्रैल से जून 2025)

हमारी विरासत

करणी माता मंदिर

https://www.tourism.rajasthan.gov.in/karni-mata-temple

करणी माता मंदिर राजस्थान के बीकानेर जिले के देशनोक कस्बे में स्थित है और चूहों के प्रति अपनी अनूठी श्रद्धा और समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। इस मंदिर में प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु और दर्शनार्थी आते हैं।

करणी माता एक तपस्वी थीं जिन्होंने गरीबों और वंचितों की सेवा और उत्थान के लिए समर्पित एक धार्मिक जीवन व्यतीत किया। ऐसा माना जाता है कि उनमें अलौकिक शक्तियाँ थीं। उन्होंने देशनोक की नींव रखी और उनके प्रमुख अनुयायी, चारण, और बीकानेर के शासक उन्हें देवी के रूप में पूजते हैं। करणी माता 14वीं शताब्दी की चारण जाति की एक रहस्यवादी और हिंदू योद्धा ऋषि थीं, और उन्हें देवी दुर्गा का अवतार माना जाता है।

कथा के अनुसार, जब उनके सौतेले पुत्र लक्ष्मण डूब गए, तो करणी माता ने मृत्यु के देवता यम से उनके जीवन को पुनः प्राप्त करने की प्रार्थना की। यम ने पहले तो मना कर दिया, लेकिन उनके दुःख से द्रवित होकर, उन्होंने उनकी प्रार्थना स्वीकार कर ली और न केवल लक्ष्मण, बल्कि करणी माता के सभी पुत्रों को चूहों के रूप में पुनर्जन्म दिया।

मंदिर में लगभग 25,000 चूहे रहते हैं, जिन्हें काबा कहा जाता है। इन्हें पवित्र माना जाता है और मंदिर के कर्मचारी इनकी देखभाल करते हैं। भक्त इन चूहों को प्रसाद चढ़ाते हैं–जैसे मिठाई, दूध और अनाज– यह मानते हुए कि इनके द्वारा कुतरकर खाया गया भोजन शुभ होता है। सफेद कब्बा विशेष रूप से पूजनीय हैं और माना जाता है कि ये करणी माता और उनके परिवार का स्वरूप हैं।

इस मंदिर का निर्माण 20वीं शताब्दी के आरंभ में बीकानेर के महाराजा गंगा सिंह ने संगमरमर से करवाया था। इसके चाँदी के दरवाजों पर देवी की कई किंवदंतियाँ अंकित हैं। मंदिर के गर्भगृह में करणी माता की 75 सेमी ऊँची मूर्ति विराजमान है, जिसके हाथ में त्रिशूल है और जो मुकुट और मालाओं से सुसज्जित है।

करणी माता मंदिर में प्रतिवर्ष दो प्रमुख मेले आयोजित होते हैं, जिनमें चैत्र मेला (मार्च-अप्रैल) और आश्विन मेला (सितंबर-अक्टूबर) शामिल हैं, जिनमें प्रार्थनाएँ, अनुष्ठान और सामुदायिक भोज होते हैं।

मंदिर दर्शन का समय : सुबह 5:00 से रात 9:00 बजे।

देशनोक बीकानेर से 30 किमी दक्षिण में स्थित है। यहाँ बस और ट्रेन दोनों से पहुँचा जा सकता है व निकटतम हवाई-अड्डा बीकानेर में स्थित है।

महत्त्वपुर्ण आयोजन / घटनाएँ

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा रोजगार मेले का लाइव कार्यक्रम

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 26 अप्रैल 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर में 47 स्थानों पर एक साथ 15वें रोज़गार मेले के प्रतिभागियों को संबोधित किया। विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में शामिल होने वाले 51,000 से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। राजस्थान में, मुख्य समारोह जयपुर के सीतापुरा स्थित महात्मा गांधी आर.एल. स्वर्णकार सभागार में आयोजित किया गया। केंद्रीय प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर बोर्ड, सीमा शुल्क, गृह मंत्रालय और रेलवे जैसे विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के लिए चयनित उम्मीदवारों को कुल 405 नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

इस कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री श्री भागीरथ सिंह चौधरी सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। डीआईओ जयपुर और राज्य वीसी प्रभारी ने विभागों के साथ समन्वय किया, आयोजन स्थल का दौरा किया और मुख्य व बैकअप लीज लाइन कनेक्टिविटी का परीक्षण किया, जिससे कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु तकनीकी सहायता सुनिश्चित हुई।

राजस्थान में आरटीई प्रवेश के लिए लॉटरी आयोजित की गई

https://rajpsp.nic.in

राजस्थान के माननीय स्कूल शिक्षा मंत्री, श्री मदन दिलावर ने 9 अप्रैल 2025 को शिक्षा संकुल, जयपुर में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत निजी स्कूलों में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) प्रवेश 2025 के लिए केंद्रीकृत लॉटरी का शुभारंभ किया। आरटीई प्रक्रिया राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), राजस्थान द्वारा विकसित एक निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-संचालित कम्प्यूटरीकृत यादृच्छिक लॉटरी प्रणाली के माध्यम से पूरी तरह से ऑनलाइन प्रबंधित की जाती है और इसका उपयोग उपलब्धता से अधिक आवेदन आने पर सीटें आवंटित करने के लिए किया जाता है। इस साल 3.14 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए और इस प्रणाली द्वारा संसाधित किए गए, जो 1400 एमबीपीएस के पीक लोड पर भी स्थिर रही, जिससे मजबूत बुनियादी ढाँचा और मापनीयता का प्रदर्शन हुआ। आधिकारिक पोर्टल ने अभिभावकों को आवेदन जमा करने, पसंदीदा स्कूल चुनने और परिणामों को आसानी से ट्रैक करने में सक्षम बनाया। पारदर्शिता और सुगमता के लिए लॉटरी ड्रॉ के बाद दस्तावेज़ सत्यापन, स्कूल आवंटन और ऑनलाइन परिणाम प्रकाशित किए गए। आरटीई लॉटरी प्रणाली इस बात का एक प्रमुख उदाहरण है कि कैसे एनआईसी का डिजिटल बुनियादी ढांचा समावेशी, कुशल और जवाबदेह शासन को सक्षम बनाता है - जो पूरे राजस्थान में बच्चों के लिए शैक्षिक अंतराल को पाटने में मदद करता है।

राजस्थान राज्य समन्वयक का जयपुर दौरा

श्री प्रशांत कुमार मित्तल, उप महानिदेशक एवं राज्य समन्वयक, राजस्थान, 4 और 5 मई 2025 को जयपुर के दो दिवसीय दौरे पर थे और उनका स्वागत एनआईसी राजस्थान के एसआईओ श्री जितेंद्र कुमार वर्मा ने किया। उन्होंने भामाशाह राज्य डेटा केंद्र (बीएसडीसी) का दौरा किया और बीएसडीसी के कामकाज, संचालन और प्रबंधन पर एक विस्तृत प्रस्तुति देखी। उन्होंने बीएसडीसी में एनआईसी अधिकारियों के साथ बातचीत की और बुनियादी ढांचे, संचालन की समीक्षा की, जिसमें साइबर सुरक्षा, ऑडिट और संसाधन अनुकूलन पर जोर दिया गया। उन्होंने नियमित भेद्यता मूल्यांकन, सुरक्षा अभ्यास, पेन परीक्षण और क्लाउड संसाधन अनुकूलन पर जोर देते हुए एनआईसी टीम के समर्पण और व्यावसायिकता की सराहना की। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने राज्य और जिला एनआईसी अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें एसआईओ राजस्थान द्वारा प्रस्तुत प्रमुख पहलों पर चर्चा की गई, जिनमें शामिल हैं - क्रॉस-लर्निंग और परियोजनाओं की प्रतिकृति के लिए प्रत्येक जिले को किसी एक राज्य का आवंटन, राज्य स्तरीय परियोजना में प्रत्येक जिला के एनआईसी अधिकारी की भागीदारी और जनशक्ति चुनौतियों का समाधान करने के लिए मौजूदा कर्मचारियों से तकनीकी पूल का गठन। श्री मित्तल ने समूह नेताओं, परियोजना नेताओं और डीआईओ के साथ बातचीत की और विकास एवं शिक्षा के प्रति समावेशी और सहयोगात्मक दृष्टिकोण की सराहना की।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अप्रैल से जून 2025)

महत्त्वपुर्ण आयोजन / घटनाएँ

जयपुर में बजट और लेखा प्रक्रिया पर कार्यशाला

https://ifms.rajasthan.gov.in/

वित्त विभाग द्वारा एनआईसी के सहयोग से बजट एवं लेखा प्रक्रिया पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला "बीएफसी एवं लेखा प्रक्रिया" पर केंद्रित थी। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अखिल अरोड़ा ने की, जिन्होंने बजट स्वचालन और सरकार की विभिन्न पहलों की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा की। कार्यशाला में एक प्रमुख वक्ता के रूप में एनआईसी जयपुर के वैज्ञानिक-डी श्री प्रहलाद कुमार जाट ने आईएफएमएस प्रणाली पर बजट प्रक्रिया की प्रस्तुती दी। एनआईसी राजस्थान पिछले 10 वर्षों से श्री जितेंद्र कुमार वर्मा, एसआईओ, एनआईसी राजस्थान के नेतृत्व में पूरी तरह से स्वचालित प्रक्रिया के साथ बजट तैयार करने में तकनीकी रूप से सहयोग प्रदान कर रहा है।

"स्वच्छ-ढाणी" - एनआईसी उदयपुर द्वारा एक उत्तरदायी वेब एप्लिकेशन

https://e-nagar.com/swachh_dhani

स्वच्छ ढाणी परियोजना, स्वच्छता और शहरी स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए एनआईसी उदयपुर द्वारा डिज़ाइन और विकसित एक उत्तरदायी वेब एप्लिकेशन है। इसने उपयोगकर्ताओं को समस्याओं की रिपोर्ट करने, प्रगति पर नज़र रखने, स्थानीय अधिकारियों के साथ जुड़ने और उदयपुर जिले में एक स्वच्छ, स्वस्थ वातावरण हेतु योगदान देने के लिए उपकरण प्रदान किए हैं। इस पहल ने शहरी स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी, सामुदायिक भागीदारी और प्रशासनिक दक्षता को एकीकृत किया है। इस एप्लिकेशन की प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं -

- डिजिटल शिकायत प्रणाली - नागरिकों को ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने और उनकी स्थिति पर नज़र रखने की सुविधा।
- प्रभावी प्रशासनिक भागीदारी - शिकायतों के त्वरित समाधान केलिए बीडीओ/वीडीओ को डिजिटल उपकरणों से लैस करना।
- सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा - नागरिकों को स्वच्छता प्रयासों में शामिल होने व प्रतिक्रिया देने के लिए प्रोत्साहित करना।
- वास्तविक समय निगरानी - स्वच्छता अभियानों की प्रगति की निगरानी के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना।
- स्वच्छता जागरूकता - लोगों को स्वच्छता बनाए रखने और उचित अपशिष्ट प्रबंधन के लिए शिक्षित करना।
- स्वच्छ ढाणीयाँ - आपकी भागीदारी ही स्वच्छता की ज़िम्मेदारी है।

"पढ़ाईविदएआई": गणित सीखने में सुधार के लिए टोंक जिले की एक एआई-संचालित नवाचार

https://padhaiwithai.in

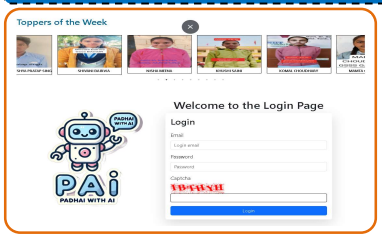

छात्रों के सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए एक परिवर्तनकारी कदम के रूप में, जिला प्रशासन, टोंक ने वेबसाइट PadhaiWithAI.in लॉन्च की है - एनआईसी टोंक द्वारा विकसित एक एआई-संचालित शिक्षण मंच जो प्रत्येक छात्र के लिए शिक्षा को वैयक्तिकृत करता है। अत्याधुनिक GPT-4 तकनीक पर निर्मित, यह मंच हिंदी और अंग्रेजी दोनों में पाठ्यपुस्तक के प्रश्नों के त्वरित समाधान प्रदान करता है, असीमित अभ्यास प्रश्न तैयार करता है, और छात्र की प्रगति को ट्रैक करने के लिए स्मार्ट डैशबोर्ड प्रदान करता है। यह पहल इस चिंता से पैदा हुई थी कि टोंक में कक्षा 10 के 67% से अधिक छात्र वर्ष 2023 और 2024 के दौरान गणित में 60% अंक हासिल करने में असमर्थ थे। कारण है - खराब आधारभूत ज्ञान, अभ्यास सामग्री की कमी और खेती के दौरान मौसमी अनुपस्थिति। इससे निपटने के लिए, छात्र एक आधारभूत परीक्षा से गुजरते हैं और उन्हें सीखने के स्तर (कक्षा 5, 8, या 10) में समूहीकृत किया जाता है। इस नवाचार से बेहतर परिणाम देखने को मिले हैं।

एनआईसी अधिकारियों के लिए इन-हाउस तकनीकी सत्रों की नई पहल

श्री जितेंद्र कुमार वर्मा, एसआईओ, राजस्थान के मार्गदर्शन में, एनआईसी राजस्थान के अधिकारियों में बातचीत और तकनीकी कौशल हेतु सुधार के लिए एक नई पहल शुरू की गई है। श्री विपिन खन्ना, राज्य प्रशिक्षण समन्वयक और डीआईओ डूंगरपुर द्वारा वर्ष 2025 तक तकनीकी सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित करने के लिए तकनीकी प्रशिक्षण सत्रों का एक कैलेंडर तैयार किया गया है। माह अप्रैल से ही, एनआईसी अधिकारी प्रत्येक शुक्रवार को सत्र आयोजित करते है, जबकि वरिष्ठ एनआईसी अधिकारी हर दूसरे सोमवार को अपनी-अपनी परियोजनाओं पर प्रमुख चर्चा प्रस्तुत करते हैं। इसका उद्देश्य एनआईसी के राज्य अधिकारियों के बीच बेहतर संचार को बढ़ावा देना और सामूहिक रूप से उनके तकनीकी कौशल को बढ़ाना है । पहले सत्र में श्री अमित अग्रवाल, साइंटिस्ट-एफ द्वारा राज्य की परियोजनाओं पर एक प्रस्तुती वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दी गयी।

विशेष आयोजनों की मुख्य विशेषताएं

एनआईसी राजस्थान के तकनीकी सहयोग से विकसित राजहेल्थ पोर्टल के माध्यम से 2346 फार्मासिस्टों की नियुक्ति पूरी हुई, जो राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावशीलता को मजबूत करने और बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

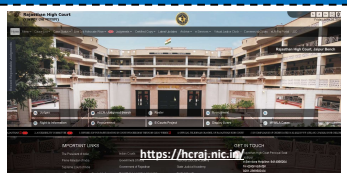

राजस्थान उच्च न्यायालय की वेबसाइट का एनजीसी, भुवनेश्वर में सफल स्थानांतरण, डिजिटल बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, उच्च न्यायालय की ऑनलाइन सेवाओं की बेहतर विश्वसनीयता, मापनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

आयुष्मान भारत के साथ एकीकृत पीसीटीएस पोर्टल ने निर्बाध डिजिटल स्वास्थ्य सेवा को सक्षम बनाया है। अब, पीसीटीएस पोर्टल के माध्यम से सीधे आभा आईडी बनाई जा सकती हैं, और महिलाओं के स्वास्थ्य रिकॉर्ड को अन्य एबीडीएम-लिंक्ड प्लेटफ़ॉर्म के साथ सुरक्षित रूप से साझा किया जा सकता है।

बेहतर ट्रैकिंग, निगरानी और लाभों के वितरण के लिए जन आधार पोर्टल के साथ एनआईसी द्वारा विकसित राजपोषण पोर्टल पर एमएमएमपीवाई (मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना) व पीएमएमवीवाई (प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना) योजनाओं का एकीकरण किया गया।

साइबर सुरक्षा सलाह

AI सिस्टम के साथ डेटा साझा करने से पहले सावधानी

एआई सिस्टम के साथ डेटा साझा करने से गोपनीयता भंग, डेटा का दुरुपयोग, तृतीय-पक्ष पहुँच, मॉडल लीक और नियामक उल्लंघन हो सकते हैं। इसलिए, डेटा नीतियों की समीक्षा करनी चाहिए, इनपुट को गुमनाम रखना चाहिए और गोपनीय जानकारी साझा करने से बचना चाहिए।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अप्रैल से जून 2025)

त्रैमासिक प्रोजेक्ट – "PadhaiWithAI" - टोंक में गणित शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव

https://padhaiwithai.in

श्री सुशील कुमार अग्रवाल
वैज्ञानिक-सी एवं डीआईओ, टोंक

पढ़ाईविदएआई एक एआई-संचालित शिक्षण प्लेटफ़ॉर्म है जो असीमित अभ्यास और रीयल-टाइम सहायता प्रदान करता है, जिससे छात्रों की सीखने और पढ़ाने की क्षमता में क्रांतिकारी बदलाव आता है। टोंक ज़िला कलेक्टर का एक अभिनव दृष्टिकोण, जिसका उद्देश्य सरकारी स्कूलों की दसवीं कक्षा के विद्यार्थीयों का गणित में प्रदर्शन को बेहतर बनाना है, ताकि गणित में अच्छे अंक प्राप्त करने के बाद, वे ग्यारहवीं कक्षा में विज्ञान संकाय चुन सकें। गणित में कम प्रदर्शन का कारण - मूलभूत समस्याओं, अभ्यास संबंधी समस्याओं, गणित शिक्षकों के रिक्त पदों और अन्य कारणों से हो सकता है। इन समस्याओं के समाधान हेतु, ज़िला सूचना विज्ञान अधिकारी, टोंक, द्वारा "पढ़ाईविदएआई" एक वेब एप्लिकेशन डिज़ाइन किया गया। यह प्लेटफ़ॉर्म अभी दसवीं कक्षा के लिए विकसित किया गया है।

टोंक जिले में गणित विषय हेतु, यह प्लेटफ़ॉर्म 350 से ज़्यादा स्कूलों और 11,500 से ज़्यादा विद्यार्थीयों को कवर करता है। यह विद्यार्थीयों को पाठ्यपुस्तक के अभ्यासों को हल व योग्य कठिनाई स्तरों के साथ समान अभ्यास प्रश्न बनाने में सक्षम बनाता है, जिससे व्यक्तिगत शिक्षण को बढ़ावा एवं यह प्लेटफ़ॉर्म विद्यार्थीयों के सीखने के तरीके और प्रशासकों द्वारा शैक्षणिक प्रगति की निगरानी के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव हेतु अत्याधुनिक बड़े भाषा मॉडल का उपयोग करता है।

पढ़ाईविदएआई में तीन प्रकार के उपयोगकर्ता हैं - स्कूल लॉगिन, ब्लॉक लॉगिन और कलेक्टर लॉगिन। स्कूल लॉगिन में, पहले से ही एक कैलेंडर अपलोड किया गया है जिसके आधार पर शिक्षक छात्रों का रिवीजन करेंगे। प्रत्येक शनिवार को एक साप्ताहिक परीक्षा की योजना बनाई गई है। यह एप्लिकेशन कैसे काम करता है, यह देखने के लिए, "गणित हल करें" अनुभाग पर जाएँ → "गणित उपकरण तक पहुँचें" पर क्लिक करें → पुस्तक का नाम और अध्याय का नाम चुनें → उसके बाद "प्रश्न लोड करें" पर क्लिक करें। इससे प्रश्न लोड हो जाएँगे और कोई भी प्रश्न चुनकर "हल करें" बटन पर क्लिक करके हल देख सकते है। अभ्यास के लिए, प्रश्नों के प्रकार और संख्या निर्दिष्ट करने के लिए एक AI टूल विकल्प उपलब्ध है और अधिक प्रश्न बनाने के लिए कठिनाई स्तर निर्धारित किया जा सकता है।

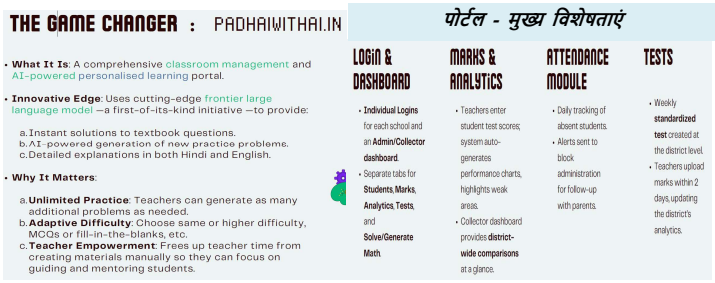

SCHOOL DASHBOARD

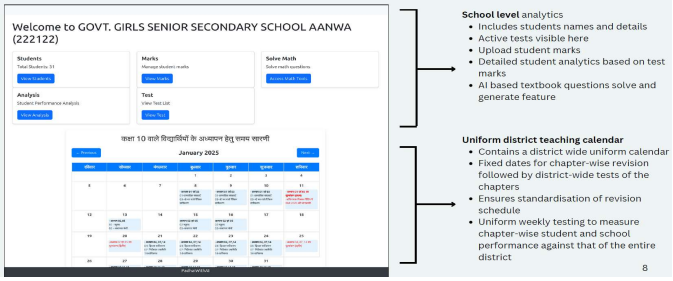

प्रमुख विशेषताएं

- **एआई-आधारित अभ्यास और समाधान:** पाठ्यपुस्तक की समस्याओं और एआई-जनित समान प्रश्नों के त्वरित समाधान, जिनकी कठिनाई स्तर समायोज्य है।
- **साप्ताहिक परीक्षाएँ और रीयल-टाइम डैशबोर्ड:** स्कूल, ब्लॉक और ज़िला स्तर पर स्वचालित परिणाम विश्लेषण के साथ साप्ताहिक परीक्षाएँ आयोजित करते हैं।
- **व्यक्तिगत शिक्षण:** लक्षित अभ्यास और पुनरावृत्ति के लिए छात्रों को उनके प्रदर्शन के आधार पर समूहीकृत किया जाता है।
- **मान्यता और प्रेरणा:** शीर्ष और सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सार्वजनिक रूप से मान्यता दी जाती है और पंचायत-स्तरीय शिविरों में पुरस्कृत किया जाता है।

विशेष रूप से, इस प्लेटफ़ॉर्म ने छात्रों को अंतिम परीक्षाओं में 60-100% के बीच उच्च अंक प्राप्त करने में मदद की है, जो सीखने में स्पष्ट सुधार को दर्शाता है। एआई टूल्स और इंटरैक्टिव एनालिटिक्स को एकीकृत करके, पढ़ाईविदएआई जुड़ाव को बढ़ाता है, सीखने की कमियों को दूर करता है और ज़िले में गणित शिक्षा की समग्र गुणवत्ता को मज़बूत करता है।

विश्लेषण अनुभाग में, "परीक्षा विश्लेषण" बटन का उपयोग स्कूल द्वारा ली गई परीक्षाओं का विश्लेषण विभिन्न मानदंडों, जैसे कुल छात्र, औसत अंक, प्रतिशत और श्रेणीवार प्रतिशत, के आधार पर करने के लिए किया जाता है। पिछले वर्ष के परिणाम वर्तमान वर्ष के प्रदर्शन के साथ तुलना के लिए उपलब्ध हैं, जिससे और सुधार की गुंजाइश है। स्कूल अपने ज़िला स्तर के प्रदर्शन की भी जाँच कर सकता है, जबकि शिक्षक "छात्र विश्लेषण डैशबोर्ड" के माध्यम से किसी विशेष छात्र का विश्लेषण भी कर सकते हैं, जिसमें छात्र जानकारी, प्रदर्शन आँकड़े और परीक्षा प्रदर्शन विवरण शामिल हैं। लॉगिन करने पर, ब्लॉक उपयोगकर्ता के लिए ब्लॉक डैशबोर्ड प्रदर्शित होता है, जिसमें कुल स्कूल और प्रत्येक स्कूल की रिपोर्ट, कुल छात्र और छात्रों का विश्लेषण, साथ ही रिपोर्ट डैशबोर्ड प्रदर्शित होता है। पाई चार्ट और बार चार्ट ब्लॉक औसत विश्लेषण का ग्राफ़िकल दृश्य प्रदान करते हैं। अंत में, हमारे पास टोंक ज़िले के सभी लॉगिन का पूरा डेटा दर्शाने वाला ज़िला कलेक्टर डैशबोर्ड है। परीक्षा परिणाम विश्लेषण से पता चलता है कि परिणाम बेहतर हुआ है या और सुधार की आवश्यकता है। शिक्षक प्रत्येक छात्र के प्रदर्शन पर नज़र रख सकते हैं।

COLLECTOR/ADMIN DASHBOARD

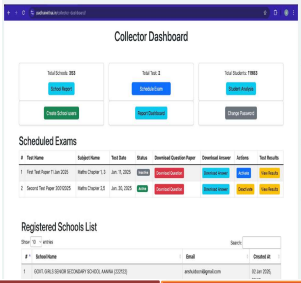

एनआईसी टोंक ने जिला प्रशासन द्वारा "पढ़ाईविदएआई" पहल के सफल विकास और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने जिले भर के छात्रों को एआई-संचालित उपकरणों के माध्यम से गणित से जुड़ने में सक्षम बनाया है। एक मज़बूत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म विकसित करने से लेकर सभी स्कूलों में इसकी सुचारू तैनाती सुनिश्चित करने तक, एनआईसी की तकनीकी विशेषज्ञता और समर्पण सराहनीय रहा है। मैं अपने शिक्षा-केंद्रित डिजिटल नवाचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, श्री सुशील अग्रवाल के प्रयासों की तहे दिल से सराहना करता हूँ। मैं उनकी निरंतर सफलता की कामना करती हूँ।

डॉ. सौम्या झा (आईएएस)
कलेक्टर एवं डीएम
टोंक, राजस्थान

पुरस्कार / प्रशंसा

एनआईसी राजस्थान राज्य केंद्र जयपुर के वैज्ञानिक-एफ श्री आई.डी. वरियानी और वैज्ञानिक-एफ श्री शेखर शुक्ला को 25 अप्रैल को मैरियट होटल, जयपुर में आयोजित स्मार्ट गवर्नमेंट समिट के दौरान सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए डिजिटल समावेशन के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाने में उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री सुशील कुमार अग्रवाल, वैज्ञानिक-सी और डीआईओ एनआईसी टोंक को ज़ी राजस्थान राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया गया और 29 मई 2025 को टोंक में माननीय उपमुख्यमंत्री राजस्थान द्वारा पढ़ाईविथएआई पोर्टल के विकास के लिए सम्मानित किया गया - टोंक जिले के 11,500 छात्रों के लिए एआई को सुलभ बनाने में सफल कदम।

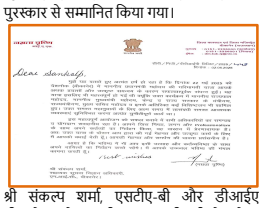

श्री संकल्प शर्मा, एसटीए-बी और डीआईए बीकानेर, को माननीय प्रधानमंत्री की देशनोक, बीकानेर यात्रा के दौरान उनके योगदान के लिए कलेक्टर, बीकानेर द्वारा सराहना मिली।

एनआईसी राज्य केंद्र के वैज्ञानिक-डी श्री पी. के. जाट को आईएफएमएस 3.0 के तहत बजट तैयार करने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए एसीएस वित्त श्री अखिल अरोड़ा द्वारा सम्मानित किया गया।

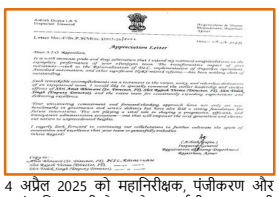

4 अप्रैल 2025 को महानिरीक्षक, पंजीकरण और मुद्रांक विभाग, जीओआर से एनआईसी राजस्थान की ई-पंजीकरण टीम को प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

परियोजना लेन-देन सांख्यिकी

SN	Project	Number of Transactions			Total Trans.
		Apr-25	May-25	Jun-25	
1	DBT through Pay Manager	7341118	23820871	16372960	47534949
2	DILRMP ROR	5194806	6476821	10524252	22195879
3	Shala Darpan	643117	56784	198972	898873
4	IFMS - Rajkosh Challans	1262585	1312567	1347431	3922583
5	eGras	1063180	1144780	1172362	3380322
6	IFMS - Rajkosh Bills	488063	449524	298832	1236419
7	Pay Manager Other Bills	226987	228340	198617	653944
8	Registration and Stamps	181120	249240	240751	671111
9	E-Transport Vehicle Registration	125915	118890	108930	353735
10	E-Transport Driving Licence	51908	66666	67569	186143

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अप्रैल से जून 2025)

प्रौद्योगिकी वार्ता: ओपन वेब एप्लिकेशन सुरक्षा परियोजना (OWASP) का परिचय

प्रियंका
एसटीए - ए, जयपुर

ओपन वेब एप्लिकेशन सिक्योरिटी प्रोजेक्ट (OWASP) 2001 में स्थापित एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य वेबसाइट मालिकों और सुरक्षा विशेषज्ञों को वेब एप्लिकेशनको साइबर हमलों से बचाने में मदद करना है। OWASP के दुनिया भर में 32,000 स्वयंसेवक हैं जो सुरक्षा आकलन और अनुसंधान करते हैं। OWASP की निम्नलिखित छवि बताती है कि 2017 से 2021 तक OWASP के शीर्ष 10 में क्या बदलाव हुए हैं। OWASP के शीर्ष 10 महत्व के क्रम में हैं—A01, A02, A03... इत्यादि।

A01:2021—टूटे हुए एक्सेस कंट्रोल के परिणामस्वरूप सूचना/कार्यक्षमता तक पहुँच प्राप्त होती है और हमलावरों को प्राधिकरण को दरकिनार करके विशेषाधिकार प्राप्त उपयोगकर्ताओं के रूप में कार्य करने की अनुमति मिलती है। प्राधिकरण टोकन के उपयोग से एक्सेस कंट्रोल को सुरक्षित किया जा सकता है। उपयोगकर्ता द्वारा किए गए प्रत्येक विशेषाधिकार प्राप्त अनुरोध के लिए प्राधिकरण टोकन की आवश्यकता होगी।

A02:2021— क्रिप्टोग्राफ़िक विफलताओं के परिणामस्वरूप संवेदनशील डेटा व जानकारी का खुलासा, चोरी या विलोपन हो सकता है।सभी संवेदनशील डेटा जैसे व्यक्तिगत, वित्तीय, स्वास्थ्य और क्रेडेंशियल्स को एन्क्रिप्ट किया जाना चाहिए ताकि संवेदनशील डेटा का प्रमाणित ट्रांसमिशन और संवेदनशील जानकारी के कैशिंग से बचने के लिए डेटा जोखिम को कम किया जा सके।

A03:2021—इंजेक्शन हमले तब होते हैं जब अविश्वसनीय डेटा किसी फ़ॉर्म इनपुट के माध्यम से कोड इंटरप्रेटर को भेजा जाता है। एक हमलावर ऐसे फ़ॉर्म में SQL कोड दर्ज कर सकता है जहाँ इनपुट ठीक से सत्यापित/सुरक्षित नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप SQL कोड निष्पादित होता है और इसे SQL इंजेक्शन हमला कहा जाता है। इंजेक्शन श्रेणी में क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग (XSS) भी शामिल है जिसे अविश्वसनीय HTTP अनुरोधों से बचकर कम किया जा सकता है।

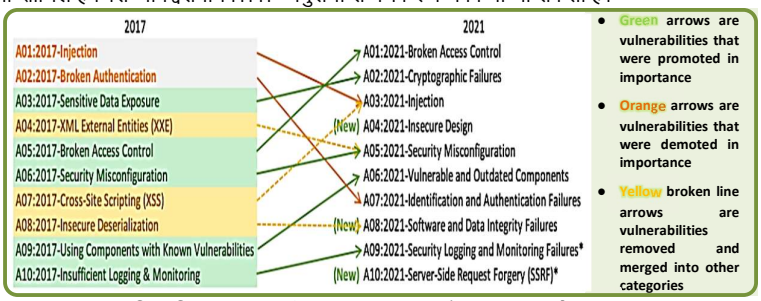

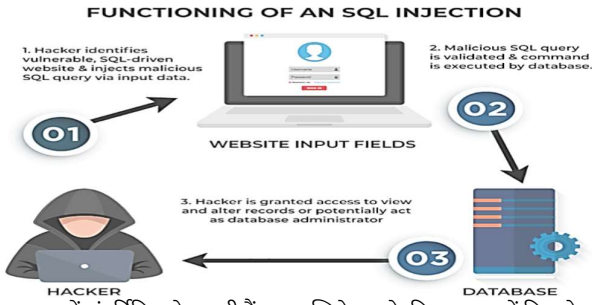

A04:2021 असुरक्षित डिज़ाइन में कई तरह की कमज़ोरियाँ शामिल होती हैं जो किसी एप्लिकेशन की वास्तुकला में अंतर्निहित हो सकती हैं। यह एप्लिकेशन के डिज़ाइन पर केंद्रित होता है। किसी एप्लिकेशन के परिनियोजन से पहले ख़तरा मॉडलिंग का उपयोग इस प्रकार की कमज़ोरियों को कम करने में मदद कर सकता है।

A05:2021 सुरक्षा गलत कॉन्फ़िगरेशन डिफ़ॉल्ट कॉन्फ़िगरेशन का उपयोग करने या विस्तृत त्रुटियों के प्रदर्शन का परिणाम है। कोड में किसी भी अप्रयुक्त सुविधाओं को हटाकर और यह सुनिश्चित करके कि त्रुटि संदेश अधिक सामान्य हों, इसे कम किया जा सकता है। इसमें XML बाहरी निकाय (XEE) हमला भी शामिल है जो XML इनपुट को पार्स करता है।

A06:2021 कमज़ोर और पुराने घटक गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा कर सकते हैं, जिनमें डेटा उल्लंघन, सिस्टम से समझौता और प्रतिष्ठा को नुकसान शामिल है। घटक डेवलपर अक्सर ज्ञात कमज़ोरियों को ठीक करने के लिए सुरक्षा पैच और अपडेट प्रदान करते हैं, लेकिन वेब एप्लिकेशन डेवलपर्स के पास हमेशा अपने एप्लिकेशन पर घटकों के पैच किए गए या नवीनतम संस्करण नहीं होते हैं। ज्ञात कमज़ोरियों के जोखिम को कम करने के लिए, डेवलपर्स को अप्रयुक्त घटकों को हटा देना चाहिए और केवल अद्यतित विश्वसनीय घटकों का ही उपयोग करना चाहिए।

A07:2021 पहचान और प्रमाणीकरण विफलताएँ प्रमाणीकरण (लॉगिन) प्रणालियों में कमज़ोरियाँ हमलावरों को उपयोगकर्ता खातों तक पहुँच प्रदान कर सकती हैं व यहाँ तक कि एक व्यवस्थापक खाते का उपयोग करके पूरे सिस्टम को खतरे में डाला जा सकता हैं। शमन रणनीतियों में दो-कारक प्रमाणीकरण व दर-सीमित करके बार-बार लॉगिन प्रयासों में देरी करना।

A08:2021 सॉफ़्टवेयर और डेटा अखंडता विफलताएँ कोड और बुनियादी ढाँचे से संबंधित हैं जो अखंडता उल्लंघनों से सुरक्षा नहीं करती हैं। तृतीय-पक्ष प्लगइन्स, अन्य बाहरी स्रोत और अपडेट पर्याप्त अखंडता सत्यापन वाले विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त किए जाने चाहिए। एक ऐसा एप्लिकेशन जो स्वचालित रूप से बाहर से अपडेट स्वीकार करता है, वहअसुरक्षित हो सकता है।

A09:2021 सुरक्षा लॉगिंग और निगरानी विफलताओं के परिणामस्वरूप उल्लंघनों का पता नहीं चल पाता है। सुरक्षा लॉगिंग व निगरानी सक्रिय उल्लंघनों का पता लगाने, उन्हें बढ़ाने व उनका जवाब देने में मदद करती है। वेब डेवलपर्स को अपने एप्लिकेशन पर होने वाले हमलों के प्रति सचेत रहने के लिए लॉगिंग, निगरानी और घटना प्रतिक्रिया योजनाएँ लागू करनी चाहिए।

A10:2021 सर्वर-साइड अनुरोध जालसाजी एक ऐसा हमला है जिसमें कोई व्यक्ति किसी सर्वर को एक URL अनुरोध भेजता है जिसके कारण सर्वर एक अप्रत्याशित संसाधन प्राप्त करता है, भले ही वह संसाधन अन्यथा सुरक्षित हो। SSRF हमलों से बचाव के लिए क्लाइंट से आने वाले सभी URL की पुष्टि करना आवश्यक है।

Published By

संरक्षक
श्री जे. के. वर्मा, एस. आई. ओ. राजस्थान

Editorial Board

श्री मुकेश कुमार झा, वैज्ञानिक-एफ
श्री अमित अग्रवाल वैज्ञानिक-एफ
श्री दिलीप जैन, वैज्ञानिक-ई
श्री विनोद कुमार शर्मा , वैज्ञानिक-ई
श्री हेमंत मेहता, वैज्ञानिक-ई
श्री मनीष कुमार शर्मा, वैज्ञानिक-सी
श्रीमती सोनिया तोमर, एसटीए-ए

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
राजस्थान राज्य केंद्र
8318, उत्तर-पश्चिम खंड
सरकारी सचिवालय,
सी-स्कीम, जयपुर, 302005
0141-2227992
ईमेलः sioraj@nic.in
वेबसाइटः https://raj.nic.in

नव नियुक्त वैज्ञानिक अधिकारियों का हार्दिक अभिनंदन

श्रीमती स्नेहा गर्ग
वैज्ञानिक अधिकारी / इंजीनियर - एसबी
एनआईसी जिला केंद्र, भरतपुर
कार्यग्रहण तिथि - 16-04-2025

श्री जितेंद्र शर्मा
वैज्ञानिक अधिकारी / इंजीनियर - एसबी
एनआईसी जिला केंद्र, जयपुर
कार्यग्रहण तिथि - 21-04-2025

श्री निशांत गुप्ता
वैज्ञानिक अधिकारी / इंजीनियर - एस.बी
एनआईसी जिला केंद्र, सवाई माधोपुर
कार्यग्रहण तिथि - 21-04-2025

राजस्थान में / से स्थानांतरण

श्रीमती बबीता (वैज्ञानिक-बी)
कार्यग्रहण तिथि - 09-05-2025
एनआईसी जिला केंद्र, पंचमहल से
एनआईसी राज्य केंद्र जयपुर

श्री रौनक नागोरी (वैज्ञानिक-बी)
कार्यग्रहण तिथि - 02-06-2025
एनआईसी मुख्यालय। नई दिल्ली से
एनआईसी स्टेट सेंटर जयपुर

श्री नंद किशोर, (वैज्ञानिक-सी)
कार्यग्रहण तिथि - 23-06-2025
एनआईसी मुख्यालय, नई दिल्ली से
एनआईसी जिला केंद्र, अजमेर

सुश्री अंजलि गुप्ता, (वैज्ञानिक-सी)
कार्यग्रहण तिथि - 23-06-2025
एनआईसी मुख्यालय, नई दिल्ली से
एनआईसी राज्य केंद्र जयपुर

सुश्री चारु (वैज्ञानिक-बी)
कार्यग्रहण तिथि - 23-06-2025
एनआईसी मुख्यालय, नई दिल्ली से
एनआईसी राज्य केंद्र, जयपुर

श्री नवीन कुमार माथुर, (वैज्ञानिक-सी)
एनआईसी जिला केंद्र, डूंगरपुर
से
एनआईसी मुख्यालय, नई दिल्ली

श्रीमती एकता गुप्ता, (वैज्ञानिक-सी)
एनआईसी राज्य केंद्र जयपुर
से
सॉफ्टवेयर विकास इकाई, पुणे